नर तेंदुए का पोस्टमॉर्टम संपन्न

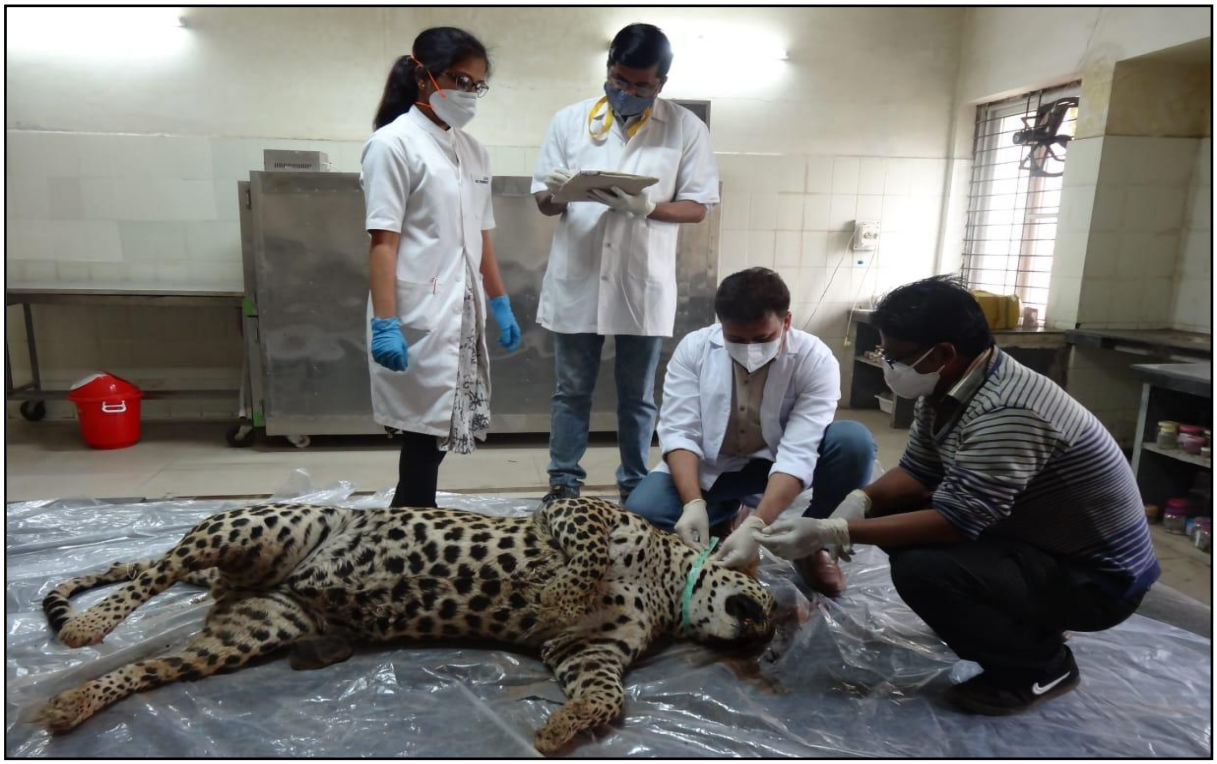

आज दिनाँक 15.02.2022 को एक नर तेंदुआ शव परीक्षण हेतु नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ , जबलपुर में लाया गया। जिस पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एस.पी. तिवारी ने तत्काल विशेषज्ञों की टीम गठित कर सूक्ष्मता से तेंदुए के मृत्यु के कारणों की विवेचना करने हेतु आदेशित किया। तेंदुए का शव परीक्षण एस.डब्ल्यू.एफ.एच. के वैज्ञानिकों डॉ. सोमेश सिंह एवं डॉ. देवेंद्र पोघाडे की टीम द्वारा किया गया , जिसमें रिसर्च स्कॉलर डॉ. माधवी धैर्यकर एवं डॉ. सुमित पटैल ने सहयोग किया। पोस्टमार्टम एस.डब्ल्यू.एफ.एच. की संचालिका डॉ. शोभा जावरे के निर्देषन में एवं वनमंडलाधिकारी श्रीमति अंजना सुचिता तिर्की की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

नर तेंदुआ लगभग 8 से 10 वर्ष की उम्र का था, जिसकी मृत्यु एक से डेढ़ दिन पूर्व हुई होगी। शरीर में सड़न-गलन शुरू हो चुकी थी , एवं मुँह में मैगट कीड़े दिखाई दे रहे थे। तेंदुए के सभी दाँत , नाखून एवं अन्य अंग सुरक्षित थे। उसके खाने की थैली अर्थात अमाषय एवं आँत खाली पाये गये। पूँछ के मध्य के हिस्से में एक घाव था एवं हॉर्ट में गहरे रंग का रक्त पाया गया। शव के पुराने हो जाने एवं गलन शुरू हो जाने के कारण मृत्यु के कारण अस्पष्ट थे। शव परीक्षण उपरांत मृत्यु के वास्तविक कारणों की पड़ताल हेतु विसरल अंगों से नमूनें लेकर हिस्टोपैथोलॉजिकल एवं टॉक्सिलॉजिकल जाँच हेतु सेम्पल एकत्र किये गये एवं आगे की जांच की जा रही है।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर